नाशिक की नई सियासत : हेमलता पाटील का अजित पवार संग बड़ा दांव

Publisher Published on 20 Aug 2025

नाशिक की सियासत में एक और उलटफेर हुआ है: पूर्व कॉर्पोरेट नेता और कांग्रेस प्रवक्ता **डॉ. हेमलता पाटील** अब **अजित पवार** के नेतृत्व वाले **राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (NCP)** के गुट में शामिल हो रही हैं। उनका यह राजनीतिक स्वागत समारोह **19 अगस्त, 2025** को मुंबई में आयोजित होगा, जहां न केवल **उपमुख्यमंत्री अजित पवार**, बल्कि नागरिक आपूर्ति मंत्री **छगन भुजबळ** एवं खेल मंत्री **मणिकराव कोकाटे** भी मौजूद रहेंगे

राजनीतिक महत्व और रणनीतिक गठजोड़

मुंबई में आयोजित होने वाले इस स्वागत समारोह में अजित पवार का भाषण महत्त्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने यहां सरकार की विकास परियोजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाने का संकल्प जताया है—चाहे वह उद्योग, शिक्षा, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, मेट्रो अथवा सड़क निर्माण ही क्यों न हो| विशेषत: नाशिक जिले के योगदान की प्राप्ति—जहां से पार्टी को सात विधायक और तीन कैबिनेट मंत्री मिली—उपमुख्यमंत्री ने पारदर्शिता और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने का ज़िम्मा जताया|

राजनीतिक सफर और पार्टियों से दूरी

इस वर्ष की शुरुआत में, डॉ. हेमलता पाटील ने **कांग्रेस** को अलविदा कहा, जब उन्हें नाशिक सेंट्रल से विधानसभा चुनाव का टिकट नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने **एकनाथ शिंदे** के नेतृत्व वाले शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया, लेकिन मात्र दो महीनों में उन्होंने वहां से भी इस्तीफा दे दिया| अब वे नई दिशा में कदम रख रही हैं—अजित पवार के साथ काम करने का उनका यह निर्णय राज्य के राजनीतिक माहौल में चर्चा का विषय बन चुका है।

राजनीतिक गठजोड़ की राजनीतिक समझदारी

डॉ. पाटील ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) उनके लिए एक सुविधाजनक और समान विचारधारा वाला विकल्प है। उन्होंने कहा कि "**राष्ट्रवादी काँग्रेस कांग्रेस का समविचारी पक्ष है**" और "**अजित पवार का नेतृत्व राज्य मे ˙ कार्यकारिणी निर्णय क्षमता के लिए जाना जाता है**", जिससे यह विकल्प उनका सहज चुनाव बन गया|

राजनीतिक विश्लेषण : रणनीतिक लाभ और पार्टी संरचना

डॉ. पाटील का यह कदम न केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक मोड़ है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिए एक संकेत है कि पिछली "महाविकास आघाड़ी" (MVA) के नेताओं की NCP (अजित पवार गुट) में शामिल होने की लहर बढ़ रही है। अब स्थानीय निकाय चुनावों से पहले यह सोचा जा रहा है कि उनका राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा, खासकर स्थानीय नागरिक एवं नगर निगम स्तर पर। समारोह को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि सरकार विभिन्न क्षेत्रों में — उद्योग, शिक्षा, कृषि, IT, मेट्रो, सड़क—के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नाशिक जिले की महत्ता पर भी बल दिया—जहां पार्टी से सात विधायक और तीन कैबिनेट मंत्री आए हैं—और स्थानीय मुद्दों के समाधान तथा जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने का वादा किया।

राजनीतिक समीकरण और भविष्य की दिशा

डॉ. पाटील का राष्ट्रवादी काँग्रेस (अजित पवार गुट) में प्रवेश महाराष्ट्र की राजनीति के दिशा-निर्देश में एक रणनीतिक मोड़ हो सकता है। मध्यस्थता और विकास-केंद्रित राजनीति की उनकी प्रतिबद्धता इस चुनावी और संगठनात्मक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब हो सकती है। विजय हुआ तो यह कदम राजनीतिक संतुलन को और प्रभावित कर सकता है—विशेष रूप से नाशिक जैसे रणनीतिक क्षेत्र में, जहां राजनीतिक स्थिरता और विकास दोनों मायने रखते हैं।

निष्कर्ष: नाशिक की राजनीति मे एंक नया अध्याय

- **राजनीति से जुड़ा भावनात्मक संघर्ष**: टिकट न मिलने वाले फैसले से नाराज होकर पाटील ने शक्तिशाली राजनीतिक निर्णय लिए।
- **शिवसेना अनुभव**: सीमित समय में समझ आया कि गुटबाजी और नेतृत्व शैली उनके लिए अनुकूल नहीं थी।
- **NCP मे शामिल होना**: अजित पवार की कार्यशैली और नीतिगत दृढ़ता ने उन्हें आकर्षित किया, जिससे यह चुनाव समझदारी भरा कदम प्रतीत होता है।
- **सियासी संदेश**: स्थानीय नेताओं की NCP में एंट्री से पार्टी की ताकत स्थानीय स्तर पर निखर सकती है, खासकर नाशिक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में।

इस प्रकार, डॉ. हेमलता पाटील की इस राजनीतिक यात्रा ने यह दिखाया है कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, संगठनात्मक बदलाव और स्थानीय राजनीति कैसे एक बड़े राजनीतिक परिदृश्य का हिस्सा बनते हैं। यह नाशिक और महाराष्ट्र की राजनीति के लिए एक दिलचस्प और गतिशील अध्याय बनने जा रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.